8. जैन दर्शन के अनुसार द्विविध मोक्ष का वर्णन कीजिए ।

9. असत्कार्यवाद की समीक्षा कीजिए।

Section–C **2×14=28**

(Long Answer Type Questions)

Note :– Answer any *two* questions. You have to delimit your each answer maximum up to **500** words. Each question carries 14 marks.

खण्ड—स

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंकों का है।

10. कठोपनिषद् के अनुसार यम द्वारा नचिकेता आत्मरहस्य की अपेक्षा दिए गये प्रलोभनों की मीमांसा कीजिए।

11. अद्वैत वेदान्त के अनुसार आत्मतत्त्व के स्वरूप की समीक्षा कीजिए।

12. न्याय वैशेषिक दर्शन के अनुसार ईश्वर के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

13. कार्य-कारणवाद के संदर्भ में विवर्तवाद का वर्णन कीजिए।

611

SA-06

June – Examination 2020

B.A. (Part III) Examination

SANSKRIT

(Second Paper)

वेद, उपनिषद् तथा भारतीय दर्शन

Paper : SA-06

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **70***

Note :– The question paper is divided into three Sections A, B and C. Write answers as per the given instructions.

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Section–A **7×2=14**

(Very Short Answer Type Questions)

Note :– Answer all questions. As per the nature of the question delimit your answer in one word, one sentence or maximum up to **30** words. Each question carries 2 marks.

खण्ड—अ

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार, एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1. (i) ऋग्वेद की शाखाओं के नाम लिखिए।
   (ii) 'कस्मै देवाय हविषा विधेम' में 'कस्मै' पद देवता किस देवता हेतु प्रयुक्त हुआ है ?
   (iii) संज्ञान सूक्त के 'ऋषि' का क्या नाम है ?
   (iv) शिवसंकल्प सूक्त यजुर्वेद की किस शाखा का कौनसा अध्याय है ?
   (v) कठोपनिषदानुसार 'मर्त्य (मनुष्य)' किस तरह पकता एवं नष्ट होता है ?
   (vi) अक्षपाद दर्शन किस दर्शन की संज्ञा है ?
   (vii) जैन दर्शन के अनुसार 'त्रिरत्न' किसे कहते हैं ?

Section–B 4×7=28

(Short Answer Type Questions)

Note :– Answer any *four* questions. Each answer should not exceed **200** words. Each question carries 7 marks.

खण्ड—ब

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 7 अंकों का है।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** मंत्र की संदर्भ-अन्वय-अनुवाद सहित व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए :

   (अ) प्रतद्विष्णु स्तवते वीर्येण
   मृगो न भीमः कुचरो गिरिष्ठाः।
   यस्योरुषु त्रिषु विक्रमणेष्व-
   धिक्षियन्ति भुवनानि विश्वा॥

   अथवा

   (ब) यः पृथिवीं व्यथमानामंदृहद्
   यः पर्वतान् प्रकुपितां अरम्णात्।
   यो अन्तरिक्षं विममे वरीयो
   यो द्यामस्तभ्नात्स जनास इन्द्रः॥

3. कठोपनिषद् के अनुसार रथ के रूपक को स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** मंत्र की व्याख्या संस्कृत भाषा में कीजिए :

   (अ) पीतोदका जग्धतृणा दुग्धदोहा निरिन्द्रियाः।
   अनन्दा नाम ते लोकास्तान् स गच्छति ता ददत्॥

   अथवा

   (ब) येयं प्रेते विचिकित्सा मनुष्ये-ऽस्तीत्येके नायमस्तीति चैके।
   एतद् विद्याम् अनुशिष्टस्त्वयाऽहं वराणामेष वरस्तृतीयः॥

5. कठोपनिषद् के अनुसार आत्मज्ञान के अनधिकारी पर संक्षेप में टिप्पणी कीजिए ।

6. योगदर्शन के अनुसार ईश्वर के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

7. न्याय दर्शन के अनुसार तदत्यन्तविमोक्षोपवर्गः पर टिप्पणी कीजिए।